Ans key ①

गुणप्रदान योजना

STD: 12

विषय : हिन्दी [009]

PAGE NO.:
DATE: / /

विभाग - A

□ एक-वाक्य में उत्तर - ⑤

1. कृष्ण अपने हाथों से गोपियों पर चंदन केसर डालते हैं।
2. गोपियाँ कृष्ण की मुरली को अपनी सौत समझती हैं।
3. शिशु सिंह के साथ बालक खेल रहा था।
4. मधुघट मिट्टी का प्रतिक हैं।
5. कवि ने बरगद के पेड़ का जिक्र किया हैं।

अथवा

हारिल हरे रंग की चिडिया हैं

□ विकल्प - ④

6. A - अनकहा
7. B - बाढ
8. A - तुमने तन मन दे डाला था।
9. C - वसंत

□ दो-तीन वाक्य में उत्तर दीजिए ⑥

10. निर्भिक भरत अपनी गोद में सिंह बालक को लेकर उसके दाँत गिनने के लिए उसका मुँह खोलने कहता हैं। वीर बालक की यह ढिठाई देखकर सिंहनी गर्जने लगी।

11. मीरा कहती है कि कृष्ण ने मुझे आने के लिए - दर्शन देने के लिए कहा था, आज तक वे नहीं आए जिससे मेरा मन व्याकुल हो उठा हैं।

12. सत्य की प्राप्ति दूसरे से प्रश्न करके नहीं होती। स्वयं से ही जिज्ञासा करनी होती हैं।

अथवा

क्योंकि कृष्ण उनको अपने ओठों पर रखते हैं। कृष्ण के ओठ पर रहने वाली बाँसुरी को गोपियाँ अपनी सौतन समझती हैं।

PAGE NO. :
DATE : / /

□ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखिए:

13. कवि कहते हैं कि जो समय बीत गया है, उसके पीछे शोक करना व्यर्थ है। जीवन में बहुत प्यारा सितारा था वह डूब गया तो डूब गया। आकाश के आनन को देखो उसके कितने तारे टूटते हैं, कितने प्यारे छूट जाते हैं। जो छूट जाते हैं वे फिर नहीं मिलते।

जीवन में एक पुष्प था जिस पर तुम नित्य निछावर थे उसके लिए खुद को भी मिटा देना था, वो सूख गया तो सूख गया, मधुवन की छाती को देखो - कलियाँ सूख गई हैं - पर वह कभी शोक या शोर नहीं मचाता।

14. 'नींव की ईंट हो तुम दीदी' काव्य में होनहार बच्चों के जीवन निर्माण की कथा है। जिनको बचपन में दीदी ने संस्कारित करके ज्ञान-दान दिया है। बच्चों को दीदी के व्यक्तित्व में अनेक संभावनाएँ दिखाई देती हैं। उन्हें दीदी कभी पादप की छाँह-सी, कभी ढिबरी के आलोक-सी, कभी तरलता-सी कभी चट्टान के विश्वास-सी प्रतीत होती है।

अथवा

14. दुष्यंत और शकुन्तला का पुत्र भरत भारत का सिरमौर है। निडर भरत अपनी गोद में सिंह बालक को लेकर उसके दाँत गिनने के लिए उसका मुँह खोलने को कहता है। वह देखना चाहता है कि उसके दाँत कितने कुटिल और कठोर हैं।

उसकी उद्दंडता देखकर सिंहनी क्रोध से गरजने लगी। उस वक्त बालकने छड़ी तानकर रोष से कहा की मेरी क्रीड़ा में बाधा डाली तो तू मार खायेगी। और मैं तुझे बच्चे को नहीं दूँगा। तू भाग जा। यह वीर बालक भरत है। जिसके नाम से इस देश का नाम भारत पड़ा है।

—×—

विभाग - B

① एक-एक वाक्य में उत्तर दीजिए — ⑤

15. रेडियम पृथ्वी के ऊपरी भाग पर रहना नहीं चाहता था।
16. अकेली कहानी का प्रमुख पात्र सोमा बुआ हैं।
17. पंडित अलोपीदिन दारागंज के अमीर और इज्जतदार व्यक्ति थे
18. लेखकने अपनी बूढ़ी मां की अनुमति लेकर घर बेचने का विचार पक्का किया।
19. कंपनी का हुक्म था कि वजीर अली को गिरफ्तार किया जाए
अथवा
गांधीजी को सिकरम में कोचवान की बगल में बैठाया गया इसे उन्होंने अन्याय माना।

विकल्प - - - - ④
20 B - संघर्षमय
21 B - मनोहरपुरी
22 A - स्थायी मैनेजर
23 B - मन्नू भण्डारी

दो-तीन वाक्यों में उत्तर दीजिए ⑥

24. धातु की छड़ के सिरे पर बैठकर प्रतिदिन रोगी के घाव को देखता हूँ। घाव के निकट जाते ही प्रकाश किरण घाव पर पड़ता है इस के विष को दूर करता हैं।

25 सुभाष बाबू युद्ध को प्रभु द्वारा प्राप्त स्वर्ण-संधि समझते थे। भारत की आजादी के लिए वे प्राण जाए तो भी इस अवसर को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे।

26. क्योंकि बुजुर्ग मित्र का जन्मदिन पहली अप्रैल होने से उस दिन को अप्रैल फूल के रूप में लोग जानते हैं। जन्मदिन के

PAGE NO.:
DATE: / /

समाचार अखबारों में छपाते, कोई बोतलें लोगों को अप्रैल-फूल बनाकर लोग नहीं आते।

अथवा

26. लेखक का घर पुराना और जर्जरित हो गया था। चौमासे में पानी अंदर आता था। दीवारों में दरारें पड़ गई थीं। सब शहर में स्थायी हो गये थे। इसलिए - - - - - ।

□ विस्तार में उत्तर दीजिए - - - - - - - - (10)

27. वंशीधर की नमक के दारोगा के पद पर नियुक्ति - - - भ्रष्टाचार के रूप में नमक चोरी करके कोई न ले जाए उसका ध्यान रखना कर्तव्य — भ्रष्टाचार न होने देना। भ्रष्टाचार से मुख्य अमलदारों की आमदनी बढ़ जाती है लेकिन वंशीधर जैसे प्रामाणिक व्यक्ति आज भी समाज में हैं जो भ्रष्टाचारी पं. अलोपीदिन जैसे व्यक्तियों के प्रलोभन में नहीं आते। प्रामाणिक व्यक्ति की भी अंत में कदर होती है। वंशीधर जैसे ईमानदार दारोगा — भ्रष्टाचारी अलोपीदिन को रियासत में ले लेते हैं।

28. पुराने घर के साथ गहरा संबंध था। लेखक कहते हैं कि इसी घर में ही हम सब भाई-बहन का जन्म हुआ था और दाम्पत्य जीवन का आरंभ हुआ था। इस घर में संतानों का जन्म भी हुआ। शुभ-अशुभ प्रसंग भी आए। इसी घर की पाठशाला गए। इसी घर के आँगन में हमारी बहनों और भाईयों के विवाह-मंडप बंधे थे। इसी घर के आँगन में हमारे परिवार के सदस्य — भैंस, पड़िया, बैल, बछड़े बंधते थे। इसी घर के दालान में दादा-पिता-दादी की मृत्यु हुई थी।

— x —

अथवा

P.T.O.

28. मनोहरपुरी प्राचीन काल में एक महान नगरी थी। मनोहरपुरी - विद्वान, स्वतंत्र, और प्रतापी राजाओं की राजधानी थी। इन राजाओं को म्लेच्छों ने जीत लिया। आज यह रत्ननगरी राज्य के प्रदेश में है। इतना रस युवक विद्याचतुर को मनोहरपुरी बहुत प्रिय थी इसलिए उसकी अविशेष देखभाल की जाती है। विद्याचतुर का जन्म भी इसी नगरी में हुआ था। बहुत से अन्य कारणों से यह गाँव उन्हें प्रिय था। विद्याचतुर का मौसियान और गुणसुंदरी का मायका इसी गाँव में था ने तो युवावस्था के प्रारंभ काल से ही इस दंपति इस गाँव के रहे थे। इसलिए मनोहरपुरी का जीर्णोद्धार किया था।

— x —

विभाग - C [व्याकरण विभाग]

- समानार्थी शब्द:

29 कानन — वन, अटव, अटवी, अरण्य,
30 वसुधा - पृथ्वी, वसुंधरा, अवनी,
अथवा
निर्मल — स्वच्छ

- विलोम [विरुद्धार्थी] शब्द: —

31. निराशा — आशा
32 उदय — अस्त अथवा प्रसन्न — खिन्न।

- तद्भव शब्दों के तत्सम रूप —

33 आग — अग्नि, अथवा धीरज — धैर्य।

- प्रत्यय अलग कीजिए:

34 नारीत्व — त्व
35 वैज्ञानिक — इक अथवा विशेषता — ता

PAGE NO.:
DATE: / /

□ विशेषण ! - - -

36. इरादतन

37. देहाती अथवा सुशोभित ।

□ शब्दसमूह - - -

38 कलाकार

□ वाक्य शुद्धि ! - - -

39 रोगी को दवा क्यों नहीं पिलाई ?

40 लड़कों ने मैच देखा ।

□ मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य प्रयोग - - -

41. पैरों तले कुचल डालना — नष्ट कर देना ।
भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पैरों तले कुचल डाला ।

अथवा

भद्द उड़ना - इज्जत बिगड़ना ।
बेटे ने बुरा काम करके मां-बाप की भद्द उड़ाई ।

□ कहावत का अर्थ - - -

42. मुंह में राम बगल में छुरी
अर्थ → ऊपर से मित्रता, मन में शत्रुता होना ।

अथवा

आगे कुआं पीछे खाई — सभी और विपत्ति का होना ।

PTO

PAGE NO. :
DATE : / /

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5)

43. पुस्तकालय में संचित ज्ञान का भंडार सदैव उपलब्ध रहा है। पुस्तकालय से पाठक अपनी ज्ञान पिपासा शांत करते हैं।

44. क्योंकि - इन्टरनेट की वजह से सूचना के आदान-प्रदान में क्रांतिकारी रूप - - यह दुनिया भर के कम्प्यूटरों को जोड़कर बनाया गया नेटवर्क है।

45. एक बड़ी सूची या ऐसा ग्रंथ जिसमें शब्दों की वर्तनी, उनकी व्युत्पत्ति, व्याकरण निर्देश, अर्थ, परिभाषा, प्रयोग आदि का सन्निवेश हैं।

46. डाकघर की बचत योजनाएँ :-
1. डाकघर बचत खाता।
2. 5 वर्षीय डाकघर आवर्ती जमा खाता।
3. डाकघर मासिक आय खाता योजना।
4. 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खाता।
5. वरिष्ठ नागरिक बचत खाता।

47. इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, जामा मस्जिद, कुतुबमिनार,

अथवा

47. भारत में मुद्रण कला का आरंभ - सोलहवीं शताब्दी में ईसाई मिशनरियों ने किया।

P.T.O.

PAGE NO.:
DATE: / /

विभाग - ड

☐ एक - विचार भाग में — सारांश . . . . (5)

48. उत्तर: → 'उत्तम शिक्षक'

भावि नागरिक निर्माण करने की जिम्मेदारी शिक्षक पर है। शिक्षक सैनिकों से श्रेष्ठ है। शिक्षक शारीरिक मानसिक तथा नैतिक विकास का जनक है। शिक्षक का उत्तर शस्त्र आत्मिक बल है।

☐ पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए: (3)

49. पद्यांश अनुसार भावार्थ का उचित अंक प्रदान करें।

☐ गद्यांश - के प्रश्नों के उत्तर - - - - - - (5)

50 प्रेम मनुष्य के मन को पवित्र और कोमल बनाता है। प्रेम मनुष्य के सद्‌गुणों का विकास करता है।

51. प्रेम मनुष्य के - साहस, धीरज, सहनशीलता, आदि गुणों का विकास करता है।

52. प्रेम के बिना मनुष्य का जीवन नीरस हो जाता है। सुविधा - ओं और संपत्ति के अभाव में भी प्रेम के बल पर मनुष्य सुखी रहता है।

53. मनुष्य को अपना स्वभाव मिलनसार और प्रेमपूर्ण बनाना चाहिए।

54 उचित शीर्षक: → प्रेम का महत्व अथवा जीवन में प्रेम का स्थान

☐ निबंध लेखन:— (150 शब्दों में) (8)

55 विषयवस्तु — मौलिक विचार — भाषा प्रवाहिता — भाषा शुद्धि आदि को ध्यान में रखकर उचित अंक प्रदान करें।

* मेरा प्रिय नेता - सरदार पटेल
* एक बुढ़िया की आत्मकथा अथवा वृक्ष ही जीवन है।

PTO

(04)

□ कहानी लेखन :—

56. रूपरेखा के आधार पर कहानी लेखन के तीन अंक, और उचित शीर्षक का एक (01) अंक प्रदान करें।
शीर्षक :— 'परिश्रम का फल'

(5)

□ पत्र लेखन - - - - - - - -

57. सही पता — उचित अभिवादन - संबोधन - प्रारंभ - विषयवस्तु एवं प्रेषक का हस्ताक्षर आदि ध्यान में रखकर उचित अंक प्रदान करें।

0.5 अंक - सही पता
0.5 अंक - अभिवादन - संबोधन
3.5 अंक - विषयवस्तु यानी पत्र का हेतु।
0.5 अंक - अंत, समाप्ति (प्रेषक के हस्ताक्षर)

—— x ——

પટેલ મહેન્દ્રકુમાર બહેચરભાઈ
7567082120

શાળાનું નામ :- શ્રી સી. એમ. ઠાકર ઉચ્ચ. મા. શાળા
નિકોલ રોડ, નરોડા, અમદાવાદ